सत्य वचन

प्रोग्राम न. 536

2 कुरिन्थियों – 4:2–6

2 कुरिन्थियों 4:2 में हम पढ़ते हैं–

परन्तु हम ने लज्जा के गुप्त कामों को त्याग दिया, और न चतुराई से चलते, और न परमेश्वर के वचन में मिलावट करते हैं; परन्तु सत्य को प्रगट करके, परमेश्वर के सामने हर एक मनुष्य के विवेक में अपनी भलाई बैठाते हैं।

हम मसीह यीशु में विष्वास करके परमेश्वर के अनुग्रह द्वारा उद्धार प्राप्त करते हैं तथापि उद्धार पाने के बाद यह सुसमाचार हम में जीवित रहना चाहिएं हमने अनिश्ठा की गुप्त बातों को त्याग दिया हैं मसीह को ग्रहण करना, उसमें विष्वास करना मसीह की क्रूस की मृत्यु के बौद्धिक स्वीकरण से कहीं अधिक हैं यह वास्तव में उस में भरोसा रखना और उसके द्वारा दिए गए नये जीवन का अनुभव हैं मसीह के द्वारा उद्धार पाने के बाद हमें सुसमाचार का एक उदाहरण होना चाहिएं दूसरे षब्दों में, सुसमाचार का प्रचार करनेवाला मनुश्य पवित्र जन होना चाहिएं पौलुस कहता है, "हमने लज्जा के गुप्त कामों को त्याग दियां" इसका उचित अर्थानुवाद होगा, "हमने लज्जाजनक कामों को त्याग दिया है–गुप्त विचार, भावनाएं, अभिलाशाएं तथा गलत काम, लज्जा के कारण छिपाए गए काम एवं कला; हम चतुराई (धोखा और चालाकी) या परमेश्वर के वचन को प्रदूषित करना यह बेईमानी से उसका अर्थ निकालना नहीं परन्तु सत्य को खुलकर कहते हैं– स्पश्ट एवं परिषुद्धं अतः हम परमेश्वर की उपस्थिति एवं दृश्टि में प्रत्येक मनुश्य के विवेक में अपनी भलाई बैठाते हैं"

हमें स्वांग नहीं रचना हैं हमें दिखावे का जीवन नहीं जीना हैं हमारा आचरण हमारे प्रचार के विपरीत न हों हमारा आचरण प्रभु यीशु मसीह को ग्रहणयोग्य होना हैं हम सिद्ध मनुश्य नहीं हैं परन्तु आचार–विचार मसीह को ग्रहणयोग्य होना चाहिएं

हमें परमेश्वर के वचन में मिलावट नहीं करना हैं हमें परमेश्वर के वचन को बेचना नहीं हैं यह हमारे जीवन से संबन्धित हैं प्रचारक महोदय, आप प्रचार क्यों करते हैं? क्या आप पैसा कमाने के लिए प्रचार करते हैं? आप कहते हैं कि आप मनुश्य की आत्मा से प्रेम करते हैं इसलिए प्रचार करते हैं परन्तु क्या आप वास्तव में मनुश्य की आत्मा से प्रेम करते हैं? या पैसे से प्रेम करते हैं? इस विशय में तो मुझे भी अपने मन

को खोज कर देखना हैं 1 कुरिन्थियों 9:16 में पौलुस कहता है, "यदि मैं सुसमाचार न सुनाऊं तो मुझ पर हायं"

एक प्रचारक सुसमाचार प्रचार में सत्य की चर्चा करता है परन्तु उसका कुछ और सन्देष सुनाता हैं मैं इस विशय अपने जीवन के लिए बहुत प्रार्थना करता हूं मैं परमेश्वर से कहता हूं, "हे परमेश्वर, मुझे तब तक प्रचार न करने दे जब तक कि मेरा विवेक स्वच्छ न हो और मैं परमेश्वर के आत्मा के सामर्थ्य में प्रचार न करुं" मैं इन दो बातों के अभाव में प्रचार करना नहीं चाहता हूं सुसमाचार प्रचार एक महिमामय बात है परन्तु निश्ठा की कमी में प्रचार करना एक भयानक बात है– उसे समर्पण की कमी और उसमें विष्वास की कमीं यह वास्तव में एक अयाजकीय विष्वासी के लिए हैं क्या आप मसीह का गवाह होना चाहते हैं? आप या तो उसके या उसके विरुद्ध गवाह होते हैं पौलुस यहां सेवा की चर्चा करता है तो वह पास्टर या मंच पर प्रचार करनेवालों की बात नहीं करता हैं वह बेंच पर बैठे आराधकों के लिए कहता हैं मंच पर प्रचार करनेवाले का यह कर्त्तव्य है कि वह विष्वासियों को सेवाकार्य के लिए प्रषिक्षण दें हमारा काम है कि हम उन्हें सेवा के लिए सुसज्जित करें

मैं ने एक बार एक कहावत सुनी, "भेड़ से भेड़ पैदा होती हैं" चरवाहा भेड़ पैदा नहीं कर सकतां वह भेड़ों की रखवाली करता हैं आज भेड़ ही भेड़ को वृन्द में लाएगी क्योंकि भेड़ ही भेड़ को जन्म देगीं मेरा उत्तरदायित्व है कि मैं अयाजकीय विष्वासियों को गवाही के लिए तैयार करुं

प्रसंगवष, क्या आप वचन के प्रसारण के लिए कुछ कर रहे हैं? यही गवाही हैं परमेश्वर ने आपको धनोपार्जन का वरदान दिया हैं क्या आप परमेश्वर के वचन के फैलाने में अपना पैसा लगाते हैं? हो सकता है कि आप प्रार्थना करते हैं और वचन के प्रचारकों और षिक्षकों के लिए प्रार्थना करते हैं यह भी है कि आपका संबन्ध उन मनुश्यों से है जो अन्यों की पहुंच के बाहर हैं ऐसे अनेक लोग हैं जो मेरा कार्यक्रम नहीं सुनतें यदि उनका रेडियो मेरा कार्यक्रम पकड़ ले तो वे रेडियो बन्द कर देते हैं अतः आप षायद उस मनुश्य से संपर्क कर सकते हैं जो अन्य किसी को मान न दें मेरे मित्रों, परमेश्वर ने आपको गवाह होने के लिए बुलाया हैं यह एक महान कार्य है!

2 कुरिन्थियों 4:3–4 में हम पढ़ते हैं–

परन्तु यदि हमारे सुसमाचार पर परदा पड़ा है, तो यह नश्ट होनेवालों ही के लिये पड़ा है। और उन अविश्वासियों के लिये, जिन की बुद्धि को इस संसार के ईश्वर ने अंधी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके।

"इस संसार के ईष्वर ने" अर्थात इस युग का ईष्वरं मुझे कदापि स्वीकार्य नहीं कि षैतान को इस संसार का ईष्वर कहा जाएं एक बार मैं अपनी पत्नी के साथ यात्रा कर रहा था और वह पतझड़ का समय थां प्राकृतिक दृष्य देख हम प्रफुल्लित हो उठें हम परमेश्वर के संसार को देख रहे थें यद्यपि पाप के कारण यह गन्दा हो गया है परन्तु परमेश्वर का ही संसार हैं

इस युग का ईष्वर षैतान हैं वही प्रबन्धक हैं वही सब आमोद–प्रमोद का कर्ताधर्ता हैं वही संपूर्ण परिदृष्य का रचयिता हैं वह इस युग का ईष्वर हैं

उसने "अविष्वासियों" की "बुद्धि" "अंधी कर दी हैं" क्या आपने कभी किसी को यह कहते सुना है, "मुझे सुसमाचार समझ में नहीं आतां मैं ने संपूर्ण जीवन उसे सुना है परन्तु मुझे कुछ समझ नहीं आता?" मैं अनेक लोगों को यह कहते हुए सुनता हूं क्या कारण है? षैतान ने उनकी बुद्धि अंधी कर दी हैं ज्योति तो चमक रही है परन्तु षैतान ने उन्हें अंधा कर दिया है इसलिए वे देख नहीं पातें मुझे एक घटना स्मरण आती हैं कोएले की खान में, विस्फोट के कारण, कुछ कर्मी फंस गएं अन्त में राहतकर्मियों ने उन तक भोजन पहुंचाया और उनके ऊपर बिजली की बत्ती जलाईं उनमें एक युवा कर्मी थां वह बत्ती को सीधा घूर रहा था और कह रहा था, "ये लोग बत्ती की व्यवस्था क्यों नहीं करते?" उसके साथी आष्चर्य से उसे देखने लगें विस्फोट के कारण वह अंधा हो गया थां षैतान ने भी अनेकों को अंधा कर दिया हैं वे कहते हैं, "आप बत्ती क्यों नहीं जलाते? मुझे सुसमाचार दिखाई नहीं देता हैं" यह अंधापन षैतान का काम हैं

कुछ अन्य जन हैं जो कहते हैं, "बाइबल की बातों में मैं विष्वास नहीं करतां मैं नहीं जानता क्यों परन्तु मैं विष्वास नहीं कर सकतां" मुझे एक दिन एक पत्र मिलां "उसमें मुझ पर दोश लगाया गया था कि मैं सच्चे सुसमाचार का प्रचार नहीं करता और बाइबल को झूठा जानता हूं" ओह, कैसी धृश्टता! मैं ने उसे उत्तर दिया कि मैं ने कभी ऐसा पत्र नहीं पढ़ा जिसमें अज्ञान और अभिमान भरा हों क्या आप जानना चाहेंगे कि उसकी समस्या क्या थी? उसकी समस्या यह नहीं थी कि वह बाइबल की बातों पर विष्वास नहीं करता थां उसकी समस्या थी, उसके जीवन में उपस्थित पापं वह पाप जिसे बाइबल दण्डयोग्य ठहराती हैं अतः वह विष्वास करना नहीं चाहता थां आज अनेकों की यह समस्या हैं समस्या बाइबल के साथ नहीं है, मनुश्यों के

जीवन के साथ हैं मेरे मित्रों यदि आप पाप में मग्न रहना चाहते हैं तो आप रहें आपकी ही हानि होगी परन्तु आप मसीह के पास आ सकते हैं अब यह न कहें कि आप नहीं आ सकतें यदि आप चाहें तो आप मसीह के पास आ सकते हैं जिस पल मनुश्य स्वयं को पापी देख पाए और कहे, "मैं अपने पापों का त्याग करने को तैयार हूं मैं मसीह को अपना उद्धारकर्ता ग्रहण करने को तैयार हूं" उसी पल उसका उद्धार होगां परमेश्वर का वचन ज्योति हैं यह कहने की अपेक्षा कि आप ज्योति को नहीं देख पा रहे, बाइबल को दोश देने की अपेक्षा आप परमेश्वर के समक्ष अपने पापों को स्वीकार क्यों नहीं करते? ऐसा करने पर आपको विष्वास करने में कठिनाई नहीं होगीं

मैं आपको सर आइज़क न्यूटन का एक उद्धरण देना चाहता हूं यह तो निष्चित है कि उन्हें कोई निबुर्द्धि नहीं कहेगा या असामान्य क्षमता का मनुश्य कहेगां एक बार किसी ने उनसे कहा, "सर, मुझे विष्वास नहीं होता कि आप बाइबल में एक बच्चे के समान विष्वास करते हैं मैं ने तो बहुत प्रयास किया परन्तु विष्वास नहीं कर पायां यह बात मैं समझ नहीं पा रहा हूं" सर आइज़क न्यूटन ने कहा, "कभी कभी मैं अपने अध्ययन कक्ष में आग बुझाने के उपकरण के नीचे मोमबत्ती जलाने लगता हूं और प्रयास करके भी मोमबत्ती जला नहीं पाता हूं मुझे षक होता है कि आपको आपके जीवन में आग बुझानेवाला उपकरण पाप से प्रेम हैं यह आपमें उपस्थित अविष्वास है जो आपने उत्पन्न किया हैं मन फिराकर परमेश्वर के पास आ जाएं और परमेश्वर के आत्मा द्वारा आप पर सत्य के प्रकाषन हेतु तैयार रहें और परमेश्वर आनन्दित होकर मसीह यीशु के चेहरे पर चमकती परमेश्वर के अनुग्रह की महिमा प्रकट करेगां" सर आइज़क न्यूटन एक महान वैज्ञानिक ही नहीं, एक महान प्रचारक भी थें मनुश्य विष्वास क्यों नहीं कर पाता है? क्योंकि षैतान ने उसे अन्धा कर दिया है, "ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाष उन पर न चमकें" यह महिमामय सुसमाचार है परन्तु महिमामय इसलिए कि वह मसीह की महिमा प्रकट करता हैं मनुश्य यही तो देखना नहीं चाहता हैं

2 कुरिन्थियों 4:5 में हम पढ़ते हैं–

क्योंकि हम अपने को नहीं, परन्तु मसीह यीशु को प्रचार करते हैं कि वह प्रभु है; और उसके विषय में यह कहते हैं कि हम यीशु के कारण तुम्हारे सेवक हैं।

हम प्रभु यीशु मसीह का प्रचार करते हैं मेरा विष्वास करें, मेरे मित्रों, आप और मैं परमेश्वर के वचन के प्रचार में असहाय हैं हमारा विरोधी, हमारा बैरी मनुश्यों की बुद्धि को अंधा कर देता हैं

2 कुरिन्थियों 4:6 में हम पढ़ते हैं–

इसलिये कि परमेश्वर ही है, जिसने कहा, "अन्धकार में से ज्योति चमके," और वही हमारे हृदयों में चमका कि परमेश्वर की महिमा की पहिचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाशमान हो।

पौलुस सृश्टि के समय की चर्चा करता है जब परमेश्वर ने प्रकाष को सृजा थां मैं नहीं जानता कि परमेश्वर ने जगत की सृश्टि कब की थीं बहुत से लोगों का यह मानना है कि रूढ़ीवादी होने के लिए आपको मानना पड़ेगा कि परमेश्वर ने जगत की रचना 4004 ई.पू. में की थीं मेरे रूढ़ीवादी भाई तो यह नहीं मानते हैं परमेश्वर ने निष्चय ही जगत की सृश्टि की परन्तु उसने हमें समय नहीं दिया हैं हमारा परमेश्वर समय के पार अनन्त हैं वह बैठकर अंगूठे नहीं हिला रहा था कि मनुश्य पृथ्वी पर प्रकट हों मनुश्य तो बहुत समय बाद आया है परन्तु परमेश्वर अनादि से हैं मैं तो यह मानता हूं कि जगत बहुत पुराना है परन्तु इसमें दुर्घटना घटीं क्योंकि एक भीमकार्य उथल–पुथल के प्रमाण यहां उपस्थित हैं सिद्ध सृश्टि के साथ कुछ तो अनहोनी घटी थीं उत्पत्ति 1 में व्यक्त है कि परमेश्वर ने हस्तक्षेप कियां परमेश्वर का आत्मा वहां थां उसने कहा, "उजियाला हो जाएं" और उजियाला हो गयां

पौलुस कहता है कि परमेश्वर ही है जिसने कहा, "अन्धकार में ज्योति चमके, और वही हमारे हृदयों में चमका कि परमेश्वर की महिमा की पहचान की ज्योति यीशु मसीह के चेहरे से प्रकाषमान हों" जिस प्रकार परमेश्वर का आत्मा गहरे जल पर मंडराता था उसी प्रकार वह हमारे हृदयों में भी मंडराता हैं वह हमारे मन में पाप का बोध करवाने आता है तदोपरान्त वह हमें नया जीवन देता है और मसीह के महिमामय सुसमाचार –मसीह जो परमेश्वर का स्वरूप है– उसके सुसमाचार की ज्योति हम में चमकने लगती हैं यहां फिर वही बात आती है कि हम उसे निहारते हैं किसी ने कहा, "देखने से उद्धार होता है परन्तु निहारने से षोधन होता हैं" हमें उसे निहारने में बहुत समय लगाना होगां तथापि ऐसा करते हुए भी हम दुर्बल पात्र हैं

मित्रों, आज मुझे और आपको इस वचन के प्रकाषन में जांचने की आवष्यकता है, कि क्या मैं परमेश्वर के वचन (सुसमाचार) को समझ पा रहा हूं या नहीं? यदि नहीं तो आज भी मैं अन्धेरे में हूं, मेरे आंखों की पट्टी ठीक से नहीं खुली हैं कहने का अर्थ है कि आप आज भी पाप से समझौता करके जीवन जी रहे हैं, जिसे परमेश्वर नहीं चाहता हैं आप पूर्ण रूप से उससे फिरकर वचन पर विष्वास करें, तो निष्चय ही आप अपने जीवन में षान्ति और आनन्द को प्राप्त करेंगें